POLITICAL SCIENCE Dep.
B.A III (Hons.) Paper-V

Dr. HUSNA ARA
Dr. HUSNA ARA
Asst. Professor
Dr. L.K.V.D. college,
Tajpur, Samastipur

लोकप्रशासन का अर्थ प्रकृति तथा क्षेत्र

लोकप्रशासन सभ्य समाज का मूल आधार है। लोकप्रशासन व्यक्ति के जीवन के प्रत्येक पहलू को न सिर्फ स्पर्श करता है बल्कि उसे प्रभावित भी करता है। इसका सम्बंध सरकारी गतिविधियों की निष्पादन प्रभावशीलता को बढ़ाने में प्रयुक्त होने वाली सरकारी तंत्रों की क्रियाशीलता एवं प्रभावशीलता से है।

लोकप्रशासन में 'लोक' शब्द सामान्य तौर पर सार्वजनिकता एवं व्यापक जनहित को प्रतिबिंबित करता है। वर्तमान समय में लोक शब्द सरकार को प्रतिबिम्बित करता है। यह सरकार की प्रशासनिक सार्वजनिकता का द्योतक है। प्रशासन शब्द 'प्र' और शासन से मिलकर बना है जो मूलतः संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ है "श्रेष्ठ शासन"। प्रशासन का अंग्रेजी रूपांतरण "Administration" मूलतः लैटिन भाषा के "Ad" और "ministrate" से बना है जिसका अर्थ एक व्यक्ति द्वारा दूसरे व्यक्ति के हित की दृष्टि से उसकी सेवा का कोई कार्य करना है। शब्दकोष

Scanned with CamScanner

के अनुसार "प्रशासन" शब्द का अर्थ है "कार्यों का प्रबंध करना अथवा लोगों की देखभाल करना।"

इनसाइक्लोपीडिया ब्रिटानिका में प्रशासन शब्द की व्याख्या इस प्रकार की गई है कि "यह कार्यों के प्रबन्ध अथवा उनको पूर्ण करने की एक क्रिया है।" एक व्यापक प्रक्रिया के रूप में प्रशासन सेवा करने, देखभाल करने तथा लोक कार्य की व्यवस्था करने से सम्बंधित है।

फिफनर के अनुसार "मनुष्य तथा भौतिक साधनों का संगठन व नियंत्रण ही प्रशासन है।"

साइमन के शब्दों में "अपने व्यापक रूप में प्रशासन की व्याख्या उन समस्त सामूहिक क्रियाओं से की जा सकती है जो सामान्य लक्ष्य की प्राप्ति के लिए मनुष्य तथा सामग्री दोनों का संगठन है।"

लूथर गुलिक के अनुसार "प्रशासन का सम्बंध कार्यों को सम्पन्न कराने से है जिससे कि निर्धारित लक्ष्य पूरे हो सकें।"

इस प्रकार, यह देखा जाता है कि प्रशासन का सम्बंध सहयोग और सामूहिकता से है।

Huma Ara